श्री कल्कि बाल वाटिका

मासिक पत्रिका

अंक 2 फरवरी 2015, कुल पृष्ठ 8 चाहे कितना भी तेजाधारी हो बिना भजन (नाम, जाप) के मर जाएगा-गुरुवर लक्ष्मीनारायण मूल्य मात्र 10 रु

सोमवार 16 फरवरी 2015 शांति रॉयल बैंक्वट जी.टी.करनाल रोड, दिल्ली में

बड़े पर्दे पर पहली बार देखें, सुनें, गाएं कोलकाता एवं दिल्ली के संगीतज्ञों के सुरों में

भगवान श्री कल्कि एवं माँ दुर्गा की भव्य चौकी

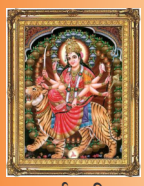

दुर्गा जी

सायं 4 बजे से रात्रि 9 बजे तक रात्रि 8:40 आरती भोग सहित— प्रसादम

श्री कल्कि बाल वाटिका फांऊडेशन के तत्वाधान में श्री हर्षित गुप्त के शुभ पाणिग्रहण के सुअवसर पर श्री विजय बंसल-सुश्री इंदू बंसल द्वारा माँ दुर्गा एवं भगवान श्री कल्कि की चौकी पर पहली बार हर भजन का दृश्य रूपांतरण बड़े पर्दे पर ठाकुर की नगरी कोलकाता एवं दिल्ली के संगीतज्ञों के सुरों में

श्री कल्कि बाल वाटिका फांऊडेशन : 9818416191 9311033445 9312533445

कल्कि जी

विशेष आकर्षण : * कलियुग-कल्कि संवाद * नानी बाई का मायरा * बजे नगाड़े काल के * कलियुग की नगरी में कल्कि की बात * कल्कि जी की ऐनिमेटेड आरती

यह अनूठा प्रयोग आप भी कल्कि महोत्सवों में करने व हमारे सहयोग के लिए आमंत्रित हैं

जब पितृ शक्ति ने एक से बढ़कर एक महारथियों को एक छत्त के नीचे लाकर वैभवता के द्वार खोले 2

जब पुलिस अधिकारी भी दुर्गा जी के 26 पूरी हलवा के उपचार से बचा 4

हाँ मम्मी मैं बुढ़ापे में आपकी ही तरह आपकी सेवा करूँगा 6

जीवनमयी सरल अनुभव गोष्ठी 5

कल्कि जी को प्रगट होने के लिए प्रचार चाहिए 4

जो कल्कि जी दे रहे हैं उसे समाज में खुले दिल से बांटें 5

कल्कि जी की नियमावली अपनाने से जीवन में तुरंत कई परिवर्तन 3

कल्कि जी देने में पीछे नहीं यदि कलियुग लेने में आगे है 3

कल्कि जी की छावनियाँ

* कोलकाता * मयूर विहार दिल्ली
* सम्भल-सूर्य कुंड-भुवनेश्वर

भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना

श्री राधा कृष्ण मंदिर, गौशाला मयूर विहार फेज-1 दिल्ली

दिनांक 1 फरवरी 2015

संपर्क : डॉ. वेद प्रकाश गुप्त (9810000086) मामाजी (9136377829)

अगले अंक में पढ़ें

* प्रसाद के पाऊच पर छपे महामंत्र ने कल्कि जी को गऊशाला में विराजा
* जब लोहे के जाल पर बैठी धूमावती ने 57,000 का चैक जमा कराके बाकी का 50,000 और मांगा
* बुरी शक्तियाँ किस तरह घर के निर्जीव सामानों में रूककर तबाही लाती हैं

जब पितृ शक्ति ने एक से बढ़कर एक महारथियों को एक छत्त के नीचे लाकर वैभवता के द्वार खोले

—श्री महावीर चौधरी (भइया जी) सुश्री श्रुति सर्राफ (09830157545)

हम कई महीनों से चेष्टा कर रहे थे कि लिलुआ-हावड़ा इलाके में कल्कि जी का एक मन्दिर हो जाये। लिलुआ-हावड़ा वासियों की यह चाहत थी कि यहाँ कल्कि जी का एक मन्दिर हो जाए, परन्तु हमारी ये इच्छा पूरी नहीं हो रही थी। हमारी हावड़ा आने जाने वाली सड़क की मरम्मत हो रही थी तो हमें 'सुतकाल बेलूर' होकर जाना पड़ता था। अचानक एक दिन मेरी बेटी ने कहा पापा जरा गाड़ी इस मन्दिर के पास रोकिए। हम इस मन्दिर में कल्कि जी की मूर्ति बैठा सकते हैं। उस समय एक पंडित जी वहाँ बैठे हुए कुछ पाठ कर रहे थे। हमने उनसे पूछा कि यहाँ पर हमें एक मूर्ति लगानी है, हम किस से बात करें। उसने सामने खड़े एक आदमी की ओर इशारा किया। मैं और मेरी बेटी उसके पास गए और कहा कि यहाँ हमें महाविष्णु के अवतारी कल्कि रूप की मूर्ति लगानी है। उसने कहा ठीक है, मुझे यहाँ के लोगों से बात करनी पड़ेगी।

हम उसके पीछे लगे रहे और कल्कि जी की कृपा से मूर्ति स्थापना की बात तय हो गई। वो नवम्बर 2014 का महीना था। पंचाग के हिसाब से 22 जनवरी 2015 से पहले मूर्ति स्थापना का दिन नहीं निकल रहा था। हमने दिल्ली में मामाजी से बात की तो उन्होंने कहा ठीक है जनवरी में करवा लेना। नवम्बर 2014 महीने की पत्रिका में मामाजी का मूर्ति स्थापना से संबंधित लेख छपा, जो हमें दिसम्बर महीने में मिला। हमने मामाजी से बात की तो मामाजी ने कहा कि जब भूमि भार उतारने श्री कल्कि की मूर्ति पूजा में साक्षात् देवी-देवता, ऋषि-मुनि आते हैं तो तुम्हें मूर्ति स्थापना के लिए महुर्त की कोई आवश्यकता नहीं है। कभी भी शनिवार को पूजा शुरु करके रविवार को लगवा लो। छुट्टी के दिन समस्त परिवार जन सम्मिलित होने से बच्चों में संस्कार पड़ेंगे, बड़ों का आपस में सत्संग होगा।

चुंकि 24 दिसम्बर 2014 से 31 दिसम्बर 2014 तक श्री कल्कि बाल वाटिका फाउँन्डेशन (कोलकाता) का सॉल्ट लेक, कोलकाता के संभ्रांत इलाके में कल्कि जी के साहित्य का स्टॉल था इसलिए हमने साल के पहले दिन यानि 1-2 जनवरी को मूर्ति स्थापना करवाना निश्चित किया।

Killer demanded Rs 20000, say cops

Iron trader shot dead for refusing to pay

अखबार के मुख्य पृष्ठ पर छपी खबर

31 दिसम्बर 2014 को रात 10:30 बजे तक मन्दिर का सारा काम ठीक करवा कर और मूर्ति को वहाँ रखवा कर हम घर आ गए। 15 मिनट बाद ही 10:45 बजे रात को कलियुग की शैतानी शक्तियों ने प्रहार किया। मन्दिर की कमेटी के ही एक आदमी के भाई को जो मन्दिर के ठीक सामने ही रहता था किसी ने गोली मार दी और वो मर गया। (ये घटना इतनी गंभीर थी कि अगले दिन अखबार की प्रमुख खबरों में से थी)।

1 जनवरी 2015 को सुबह 6 बजे आदमी का फोन आया कि जो घटना रात को घटित हुई है उस कारण आज मूर्ति स्थापना नहीं होगी। सुनते ही हमारे तो होश उड़ गए कि ये क्या अनर्थ हो गया। पहली बार अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए हम संकल्प-उपचार ले कर चल रहे थे परन्तु इस तरह की घटना घटेगी यह हमने सोचा भी नहीं था। मैंने तुरन्त ही दिल्ली में मामाजी को फोन किया। ऐसा लगा कि मामाजी मेरे ही फोन का इंतजार कर रहे थे। मैंने उन्हें सारी बात बताई। उन्होंने कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। प्रात: साढ़े चार बजे उनको अनुभव में मेरे स्वर्गीय जीजाजी श्री पशुपति रुईया जी (यह सुश्री रश्मि गनेरीवालाजी के पिताश्री हैं जो पहली बार कुमार हर्षित गुप्त (सुपुत्र सुश्री इंदु बंसल) के रोकने में नवम्बर को मामाजी का इनसे मिलन हुआ था)आये थे। मामाजी को दिखा कि वह शक्तिवान रूप में खड़े हैं। सब कोलकाता वाले कल्कि भक्त उन्हें अपनी अपनी परेशानियाँ दुख लिखे पेपर दे रहे हैं और वह सबसे पेपर मुस्कराते हुए ले रहे हैं और सबको एक ही प्रसन्न मुद्रा में जवाब दे रहे हैं कि चिंता नहीं करो मैं हूँ न! सब ठीक हो जाएगा। सो मामाजी ने कहा जैसे जैसे मैं कहता हूँ संकल्प-उपचार करते जाओ, और श्री हनुमान जी और गंगा महारानी की कृपा से सब ठीक हो जायेगा। जो उपचार उन्होंने बताए वह इस प्रकार थे:-

- ❑ गणेश जी 20 रुपये की सफेद बर्फी विभिन्न रुकावट गेरने वाली शक्तियों को उनका भाग देकर हटायें (15 रुपये की बर्फी 5 रुपये दक्षिणा)
- ❑ 11 लड्डू वासुकी जी के सर्प शक्तियों के विषैले प्रभाव को दूर करने के लिए जिन्होंने मूर्ति स्थापना में विघ्न बाधा खड़ी कर दी है उनका भाग देकर हटाएं (11 सिक्कों के साथ दो चक्कुओं से 5 टुकड़े करके देने हैं)।
- ❑ योगमाया महारानी के 20 रुपये सभी शैतानी शक्तियों को भ्रमित करने के लिए
- ❑ गणेश जी के 20 रुपये के बेसन के लड्डू मूर्ति स्थापना कराने के लिए
- ❑ 10 संतरे भोले बाबा को कि जो भी कलियुगी, राक्षसी, तांत्रिक शक्ति स्थापना में विघ्न डाल रहे हैं उनका दिमाग हमारी तरफ से हटाओ।
- ❑ 20 जलेबी भोले बाबा के लिए ताकि जो भी बुरी शैतानी शक्तियाँ इस कार्य में परेशान कर रही हैं उन्हें अपने अंदर ही अंदर गोल-गोल घुमाकर रखे ताकि वह हमें मूर्ति स्थापना में परेशान न करे।

शेष पृष्ठ 6 पर

कल्कि जी देने में पीछे नहीं यदि कलियुग लेने में आगे है

मेघना

आप सभी ने मेरी आपबीती जनवरी 2015 अंक में पढ़ी ''अगर मैं 250 रुपए दे देती तो साढ़े तीन लाख से बच जाती'' *उसमें 12 दिसंबर 2014 को मामाजी के मीठे-मीठे सत्संग के बाद जब रोते-रोते मैंने एक लाख रुपए का संकल्प निकाला और 500 रुपए का ब्याज जनवरी महीने का दिया तो कल्कि जी से यही कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं यह रुपया आपको कैसे दूंगी ?* लेकिन कल्कि जी तो जैसे मन की लेते हैं। उसके दो हफ्ते में हमें अपने व्यापार में सरकारी कंपनी से ऐसा ऑफर मिला जो हमारी सोच से परे था जिसमें हमें हींग लगे न फिटकरी की तरह एक बड़ी रकम आमदनी के तौर पर मिली। साथ ही कंपनी की तरफ से यह ऑफर अब हमें हमेशा के लिए दिया गया है मतलब जैसे जैसे हम यह डील करेंगे हमें यह आमदनी तब तब मिलकर रहेगा। यही नहीं अब और संस्थाओं से भी यही प्रस्ताव कल्कि जी हमें दिलवा रहे हैं।

मेघना गोयल (9136377829)

कल्कि जी की नियमावली अपनाने से जीवन में तुरंत कई परिवर्तन

श्रेय गुप्त (चार्टर्ड अकाउंटेंट (9899531045)

मैं बचपन से श्री कल्कि बाल वाटिका से जुड़ा हुआ हूँ। जैसे-जैसे समय बढ़ता गया मैं वैभवता तो भगवान से लेता गया लेकिन कल्कि जी के कामों से हटता गया। किस प्रकार कल्कि जी ने मेरा सी. ए. क्लीयर कराया यह आपको विदित है। सी. ए. के बाद मैंने गुड़गाँव में नौकरी करनी शुरु की उसके कुछ समय बाद श्री कल्कि ने मुझे दिल्ली में ट्रान्सफर किया जिससे मुझे बहुत सुकून (सुख) मिला। समय ने पलटा खाया, मेरी सर्विस पर बादल मंडराए लेकिन मन में कुछ कल्कि जी के प्रति चोर भी छिपा था अत: मेरी मम्मी (माता जी) मामाजी के पास गईं और उन्होंने हकीकत बताते हुए कुछ सरल संकल्प-उपचार बताए। कमाल है एक ही हफ्ते में भय के सारे बादल छट गए और पहले जैसी सामान्य स्थिति हो गई। मैंने कल्कि जी के काम में थोड़ा हिस्सा लिया, दिल्ली से बाहर गया। लेकिन फिर पहले जैसी लापरवाही कर दी। अन्तोगतवा स्वप्न अनुभव में भगवान ने जो दिखाया उससे काफी तनाव बढ़ गया। अबकी बार मैंने मामाजी से सीधा पूछा तो मामाजी ने मुझे भगवान श्री कल्कि की जनवरी में छपी नियामवली बताई जो कि मैं शुरु से जानता था लेकिन मानता नहीं था। मामाजी ने एक शब्द 'बन पड़े तो' कहकर नियामवली की याद दिला दी और दो कुण्डीय हवन करने के लिये कहा। मैंने कल्कि बाल वाटिका पैनल से दो कुंडीय हवन की विधि समझी और 17 जनवरी 2015 को पहला दो कुंडीय हवन (पहला हवन बगुला मुखी मां का हवन महामंत्र, दूसरा हवन हक अनीह निष्कलंक गौरण्डा दुष्टहा नाशनं पापहा का किया) इस प्रार्थना के साथ किया मुझे मान, सम्मान के साथ अपने ऑफिस में काम करना है यह कहकर मैने चार हवनों का प्रति रविवार का संकल्प लिया। साथियों कमाल है उसी रात मुझे स्वप्नानुभव आया कि मेरे ऑफिस में मेरा मान, सम्मान एकदम से बढ़ने लगा है। मेरा इतना दबदबा बढ़ रहा है कि मेरे सीनियर भी अपनी समस्याएं मुझसे पूछ रहे हैं और मैं उनके जवाब दे पाने में सक्षम हूँ। मैं तो बहुत हैरान हूँ कि मैंने सत्संग में कई बार दो कुण्डीय हवन के बारे में सुना कि यह बहुत शकितशाली है लेकिन मैंने ये महसूस किया। इससे मुझे यही नहीं और भी कई फायदे हुए जिन्हें मैं जल्द ही आपके सामने प्रस्तुत करूंगा।

मुझसे सबको चाहिए

संकल्प लेते ही तीन दिन में शादी पक्की हुई

मुझे सबसे चाहिए

—अनीता चौधरी (9643076008)

मैंने लगभग पिछले डेढ़ वर्ष से अपनी पूजा में भगवान श्री कल्कि जी की एक माला और आरती शामिल करी है। मैंने कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका जनवरी 2015 की पढ़ी। उसमें लिखा लेख पढ़ा सबको मुझसे चाहिए इसलिए मुझको सबसे चाहिए। मेरे मन में बेटे की शादी को लेकर जो चिंता चल रही थी उसके चलते मैंने कल्कि बाल वाटिका पैनल में वाट्स ऐप पर मैसेज भेजा कि मुझे अपने बेटे की शादी के लिए कैसे संकल्प करना चाहिए। इस पर मुझे एक घंटे बाद वाट्स ऐप पर ऑडियो में मैसेज मिला कि मैं अपने बेटे की शादी मे जितने रुपए का रिश्ता लड़की वालों की तरफ से आएगा उसका एक प्रतिशत का संकल्प ले लूँ। मैंने अपने पतिदेव की सहमति से यह संकल्प 17 जनवरी को ले लिया। साथ ही जो उपचार चल रहे थे वह भी करती रही। कमाल है यह संकल्प इतना प्रभावशाली रहा कि अगले ही दिन मेरे बेटे का रिश्ता आया और 22 जनवरी 2015 को यह रिश्ता पक्का हो गया।

प्रश्न आपके जवाब हमारे

प्रश्न : मुझे कल्कि जी की कृपा से भारत सरकार से स्कॉलरशिप मिली लगभग 5 लाख रुपए की लेकिन वह रकम न मिलकर मुझे सुविधाएं मिलीं। उसका 5 प्रतिशत मैं एकदम कैसे निकालूँ? उत्तर : यह बहुत आसान है। 5 लाख का 5 प्रतिशत 25 हजार रुपए होता है। असल नहीं निकाल पाने की स्थिति में आप 25 हजार रुपए का 0.5 प्रतिशत रुपया 125 ब्याज शुभ से निकाल कर श्री कल्कि बाल वाटिका फांऊडेशन में भेजती रहें। रुपया आने व देने पर मूलधन (25000 में से) व ब्याज कम करते रहें।

जब पुलिस अधिकारी भी दुर्गा जी के 26 पूरी हलवा के उपचार से बचा

— मामाजी (9136377829)

मेरे एक मित्र हरियाणा में पुलिस अधिकारी हैं। उन्होंने मुझसे जिक्र किया कि उनकी पोस्टिंग (नियुक्ति) जिस क्षेत्र में हुई है वहां एक अपराधी

प्रवृत्ति के व्यक्ति के खिलाफ जब उन्होंने कार्यवाही की तो उस व्यक्ति ने उनके (पुलिस अधिकारी) खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिश्वत मांगने की मेरी झूठी रिपोर्ट लिखवा दी। पुलिस प्रशासन उस रिपोर्ट पर एक्शन ले सकता है। अत: मेरे वह मित्र परेशान थे।

लेकिन वह कल्कि जी को बहुत मानते हैं और ईमानदार प्रकृति के व्यक्ति हैं। सो मैंने उन्हें प्रति शुक्रवार 26 पूरी हलवे का दुर्गा जी का उपचार करने को कहा। साथ में यह भी कहा कि वह दक्षिणा के तीन सिक्कों पर रोज हाथ लगा कर दुर्गा जी से प्रार्थना करते रहें कि मुझे बेकार की परेशानियों से बचाएं। उन्होंने जब ऐसा करना शुरू किया तो दूसरे ही हफ्ते में पता चला कि उनका ही एक मित्र जिसने यह षड्यंत्र ऐसे रचा था कि उसका नाम भी न आये और मेरा मित्र (पुलिस अधिकारी) परेशानी में आ जावे।

मैंने अपने मित्र को अब बगुलामुखी माँ का उपचार भी हर हफ्ते करने को कहा। दो महीने लगातार उपचार करते रहने का सुखद परिणाम यह हुआ कि उनके खिलाफ जिस व्यक्ति ने रिश्वत मांगने की झूठी रिपोर्ट दी थी उसने लिखित में माफी मांगी। जिस मित्र ने यह षडयंत्र रचा था वह स्वयं ही ऐसे केस में फंस गया।

कल्कि जी को प्रगट होने के लिए प्रचार चाहिए

कोलकाता में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना वैलूरमठ हावड़ा में संपन्न हुई

पटना में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना क्लक्ट्री घाट पर मां तारापुर मंदिर में संपन्न हुई

कोलकाता में आपणो गांव मेला में भगवान श्री कल्कि के साहित्य के स्टॉल द्वारा कल्कि जी का प्रचार कार्य करते कोलकाता कल्कि बाल वाटिका फाउन्डेशन परिवार जन

कोलकाता में सामूहिक सुंदर कांड पाठ में भगवान श्री कल्कि के साहित्य की किट का वितरण करते हुए कल्कि परिवार जन

बदलते समय में खुद भी बदलें हमें भी बदलने दें क्योंकि कल्कि नाम जपने से जो स्वप्न-जागृत-वाणी अनुभव आने शुरू होते हैं जिनसे असंभव काम संभव होते हैं इसलिए अपने अनुभव हमें वॉटस एप पर भेजें और जवाब लें

दिल्ली में- मेघना गोयल (कल्कि साहित्य से कलियुग की छावनी से निकल कर कल्कि जी की छावनी में पहुंचने के लिए-9136377829, डॉ. वी.पी.गुप्त (गंभीर रोगों के लिए)-9810000086, रेनू बंसल (उजड़े से बसने के लिए)-9818000004, संगीता गुप्त (निराशा से आशा की ओर आने के लिए)-9873137354, रश्मि गुप्त (पितृ दोष संबंधी)-9873345859, रमणी अग्रवाल (सरकार के पैसे से विदेश यात्राएं, नौकरी संबंधी)-9212216251, पारूल गुप्त (सरकारी टैक्स/यात्रा संबंधी)-9910003910 संतुष्ट न होने पर, इंदू बंसल-9818416191, मामाजी-9312533445,

कोलकाता में—वरूण चौधरी (मांगी हुई शक्तियों को जाने से रोकने के लिए)-09831089302, रश्मि गनेरीवाल (तांत्रिकों में घिरने पर)-09831273015, प्रतिभा अग्रवाल (जीवन के लिए)-09831193821, श्रुति सर्राफ (कुछ नया कर दिखाने के लिए)-09830157545, नेहा चौधरी (भीषण तनाव के लिए)-09163448228, श्रेया चौधरी (यू.एस.ए.) (अहंकार, अति आत्मविश्वास से बचने, जीवन में ऊँचाइयां पाने के लिए)+1(267)243-6643

जो कल्कि जी दे रहे हैं उसे समाज में खुले दिल से बाँटें

—सुश्री शालिनी पाण्डे (9212703815)

अनुभव:- मैंने देखा कि एक कीर्तन हो रहा है जहाँ पर मामाजी फूली हुई हवादार आर-पार दिखाई देने वाली पॉलिथीन की थैलियों में बच्चों को समान बाँट रहे हैं। उन्हें देखकर मैं पदम भाई को देखने को कहती हूँ । पदम भाई और तीन जन(मेरे पति मनोज जी, मोनू जी और अनिल गड़ौदिया जी) यह देखते हुए कहते हैं ये मामाजी बहुत दिमाग वाले हैं। फिर पदम भाई बोले देखो! जीजाजी (अनिल गड़ौदिया से) हम भी ब्राह्मणों को ऐसे ही कुछ बाँट सकते हैं। बस फिर मेरी आँख खुल गई।

अर्थ:- जैसे कि स्वप्न अनुभव पुस्तक में मानू मैं न मानू में बताया है कि अनुभव पहले दृष्टा पर जाता है और पुरुष दिखे तो वह भगवान कल्कि हैं और स्त्री दिखे तो वह माँ दुर्गा का रूप। यहाँ भगवान ने बताया है कि छुपाकर नहीं दिखाकर अर्थात जो भी बाल वाटिकाएं आप कर रहे हैं उसमें पहले ही पुरस्कार मेज पर लगा दीजिए कि जो बच्चा अच्छा काम करेगा उसको यह दिया जाएगा। उससे आपके पास बच्चे आएंगे। आपके घर-परिवार-व्यापार में वृद्धि होगी। कलियुग की काली छाया जो आपको दण्डित करने को बैठी है वह हटेगी। आपने जो कल्कि भक्तों को बुलाकर दिखाया कि कैसे समान बाँटा जा रहा है अर्थात कि बच्चों-ब्राह्मणों को उनकी मनचाही चीजें देने से आपके कोई पैसे की कमी नहीं आएगी अपितु आपका धन-वैभव-इज्जत-सोचने का नजरिया-बुद्धि, इन सबका विकास होगा।

उपचार:- कुबेर जी, सरस्वती जी, गंगा मां, लक्ष्मी मां, यमुना जी

प्रार्थना:- हे माँ मुझे नहीं मरना, मुझे जीवन दान दें, मुझे कल्कि जी का काम करना है। मुझे जो भगवान कल्कि ने अनुभव में बताया है मैं इन सब भक्तों के साथ मिलकर बच्चों और ब्राह्मणों को उनकी मनचाही चीज बाँटूंगी। मेरे साथ इन सबको भी स्वास्थ, धन, सम्पदा, अच्छी बुद्धि प्रदान कीजिए।

जीवनमयी सरल अनुभव गोष्ठी

महामंत्र जाप की तर्ज पर ही श्री कल्कि बाल वाटिका, दिल्ली ने सत्संगमयी अनुभवगोष्ठी विभिन्न भाग्यवान परिवार प्रतिमास कर रहे हैं। अनुभव में ही नहीं प्रत्यक्ष में सुश्री संगीता गर्ग (011-22724690) के घर में ही श्री कल्कि ने दिखाया कि किस प्रकार कलियुगी शक्तियों ने पहले उनके बेटे पर फिर खुद पर प्रहार करके अस्पताल भेजा और सत्संग में सुने अनुभवों के उपचारों से दोनों ऑपरेशन से बचे और स्वस्थ घर आए।

- **किस प्रकार घर में पड़े बेकार समान में छुपी तांत्रिक/सर्प शक्तियाँ अपने साथ पुराने कपड़े लेकर गईं। (9873349478)**
- **अनुभव में अर्थ समझकर सुश्री आभा गुप्ता (9136079923) पाँच महाविद्या (जिनके दिल में रहम नहीं है) से बचीं।**
- **किस प्रकार रमणी अग्रवाल (9212216251) की ढाई वर्ष से स्कूल में रुकी वेतन विधि कलियुगी शक्तियों का भुगतान करके एक हफ्ते में ही सफल हुई।**

ऐसा ही प्रभु श्री कल्कि ने कोलकाता में दिल्ली की तरह दिसम्बर से शुरु कराया है कि वहाँ भी श्री कल्कि परिवार स्वत: ही इस मासिक सरल पद्यति से जिसमें सिर्फ भगवान के आगे ज्योत जगाकर बैठ जाओ, स्वप्न अनुभव किताब का पाठ करके जो आए उसके अनुभव सुनो और उसके अर्थ-उपचार-प्रार्थना बता दो, इससे वही नहीं आने वाले भी कलियुग की जीवन पर प्रहार करने वाली कुचालों से बचेंगे। पेश है 30-1-2015 को अनुभव व स्वप्न में श्री कल्कि द्वारा दिखाया चित्र (मैं एक कमरे में दीपक जलाकर बैठी हूँ। सामने दरवाज़े से रोशनी आ रही है। मेरे पीछे भी एक दरवाज़ा है उसके बाहर लोग बैठे हैं। दो घण्टे बाद कोई माया सी महाविद्या आई। उससे बचना है। पीछे का दरवाज़ा बंद हो जाता है। कमरे में अंधेरा है। अब अगला दृश्य- मैं देख रही हूँ एक व्यक्ति तीन औरतों को समझा रहा है क्योंकि वह हँस रही थीं। वह कहता है आप सब नहीं जानती हो यह गंभीर जिम्मेदारी का काम है। लोग आपको देखकर सीखेंगे।)

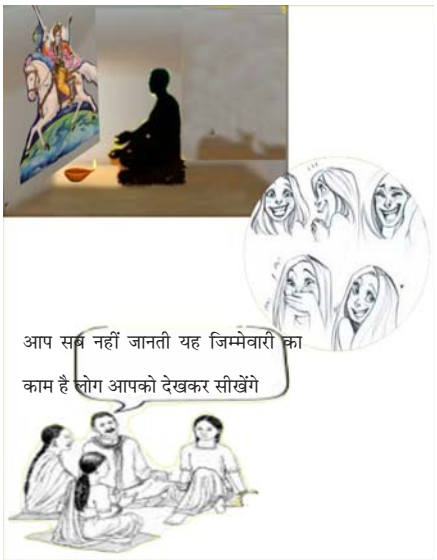

अनुभव में स्वप्नमयी दृश्य

निष्कर्ष:- बन पड़े तो आप भी अपने यहाँ आयोजन करें। दिल्ली में मामाजी,कोलकाता में भइया जी आपके आवेंगे ही। धीरे-धीरे आप भी उनके जैसा रास्ता कल्कि समाज को देंगे।

-------- पृष्ठ 2 का शेष

❑ बगुला माँ के 20 रुपये कि माँ अपने कमांडो मुझे दो।

❑ काली माँ को धूने का समान गोले में भरकर दक्षिणा के साथ दें।

❑ गंगा महारानी के 20 रुपये और 2 सेब में दो-दो कट मारकर प्रार्थना के साथ कि माँ जो राक्षसी शक्तियाँ रुकावट बनी हैं उनकी नस काट कर हटाएं।

❑ एक सौ रुपये को आई डी कार्ड बना लें। भैरो बाबा 80 रुपये (लिफाफेवाला (शराब का) एवम् 20 रुपये योगमाया माँ के हर 2-3 घंटे बाद जब-जब परेशानी लगे छू लेवें।

❑ 1 सेट मर्दाने वस्त्र, सीधा, पानी, धूप, गोला, कलावा, दक्षिणा के साथ कल्किजी द्वारा रुईया जी एवम् अतृप्त पितृ शक्तियों के सब उपचारों का संकल्प करने के बाद वहाँ के मुख्या से बात करी।

उसने कहा कि मैं अभी कुछ नहीं बोल सकता। आप अपना कार्यक्रम स्थगित कर दीजिए। मैंने उससे प्रार्थना की कि सब इंतजाम हो गया है कुछ कीजिए। उसने कहा कि मैं आपको सबसे बात करके बताऊँगा। मैंने उससे कहा कि हम मूर्ति को मन्दिर से मंगवा लेते हैं और पूजा कहीं और कर लेंगे। उसके बाद केवल वहाँ मूर्ति स्थापना करने आएंगे, हमें केवल आधा घंटे का समय दीजिए, हम आरती करके चले जायेंगे। **कमाल है इस पर वह राजी हो गया।** अत: मन्दिर से मूर्ति घर पर मंगवा ली। वहीं पर सारा इंतजाम करके पूजा शुरु करवाई। दूसरे दिन भी सारे संकल्प कर दिए।

अगले दिन सुबह फिर मन्दिर से फोन आ गया कि यहाँ की स्थिति अभी नाजुक बनी है आप आज मूर्ति न लायें शोर शराबा कोई बर्दाशत नहीं होगा। मैंने तुरन्त मामाजी को फोन किया कि वहाँ से फिर मनाई आ गई है। इस पर मामाजी ने बड़े ही शान्त शब्दों में कहा भैय्या घबराते क्यों हो आप सब कलियुग की छाती पर मूंग दल रहे हो और वह चीखे चिल्लाये भी नहीं। मैंने बैद्यनाथ धाम में 9 दिन में सिर्फ रुपए 19500 के संकल्प-उपचार किये थे। आप तुरन्त सुबह वाले संकल्प-उपचार करें। इसके बाद उनसे यह कहें जितना मैं बता रहा हूँ कि हमारे यहाँ से 2-3 जने आयेंगे मूर्ति खाचे में बैठाकर आरती करके चल जाएंगे। 11 बजे मैंने मन्दिर के मुख्या से बात की और उसने अपने एक दूसरे साथी को फोन किया। मैंने उससे भी सिर्फ़ वहीं बात कही जो मामाजी ने बताई थी। कल्कि जी, गंगा महारानी, हनुमान जी इत्यादि महा शक्तियों ने चमत्कार दिखाया। वो आदमी राजी हो गया। उसने कहा कि जितने छोटे रूप में हो सके अपना काम करके चले जाइए। हमने पूरी विधि विधान से दो दिनों तक मूर्ति स्थापना का कार्य किया। हर समय हम मामाजी से संपर्क में थे वो हमारा मार्ग दर्शन कर रहे थे। 2 जनवरी को 2 बजे हम सभी कल्कि भक्त कल्कि जी का नाम लेकर उनकी शोभा यात्रा लगभग 2 किलोमीटर निकालते हुए मन्दिर पहुँचे और बड़ी धूमधाम से उन्हें स्थापित कर दिया। मन्दिर में 2 घंटे तक पूजा चली और लगभग 30 भक्त वहाँ थे। घर आकर हमने हवन करके स्कूल के बच्चों की तरह प्रसाद खाया। सो भक्तवृन्द इस प्रकार श्री कल्कि जी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आंतकमयी वातावरणें सहर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ।

हाँ मम्मी मैं बुढ़ापे में आपकी ही तरह आपकी सेवा करूँगा

—श्री अनुज रस्तोगी (ज्योतिष विशारद) 9891212606

एक घर में एक बच्चा अपने माता-पिता और दादा-दादी जी के साथ रहता था। वह रोज देखता कि उसकी माँ पिता के ऑफिस से आने के बाद पहले उन्हें खाना खिलाती फिर बच्चे को और खुद खाना खाने के बाद जो भोजन थाली में बचता उसे समेट कर बाकी भोजन सहित दादा-दादी की थाली लगाकर उन्हें खाना खिलाने के लिए आवाज लगाती थीं। यह क्रम चलता रहा। एक दिन स्कूल से आने के बाद माँ अपने बेटे का लाड़ लड़ा रही थी तो माँ ने पूछा कि बेटा बुढ़ापे में तू भी हमारी सेवा करेगा न तो बच्चा अपनी मासूम आवाज में बोला क्यों नहीं मम्मी जरूर करूँगा। माँ ने उत्साहित होकर पूछा कैसे? बच्चा बोला माँ जैसे आप करती हो। पहले अपने बीबी बच्चों के साथ खाना खाऊँगा फिर जो बचेगा आपकी तरह ही समेट कर पापा और आपकी थाली लगा कर खिलाऊँगा। इस बात को सुनकर माँ की आँख खुल गई। उस दिन से घर का क्रम बदल गया। अब पहले दादा-दादी खाना खाते फिर बाबूजी बच्चा और माँ तो इस तरह एक बेटे ने अपनी माँ की आँखे खोल दी। मां ने अपनी दिशा बदल कर अपनी भविष्य की दशा को बदल दिया।

अखंड जाप वाला मंत्र बॉक्स उपलब्ध है

प्रिय साथियों, बहुत कोशिश के बाद हमें मात्र 80 मंत्र बॉक्स के आई सी प्राप्त हुए हैं जिससे हमने 80 मंत्र बॉक्स तैयार किए हैं। आपकी जानकारी के लिए मंत्र बॉक्स कल्कि जी की मूर्ति स्थापना के स्थान को तेज प्रदान करने में अत्यंत सहायक व सफल सिद्ध हुए हैं। कल्कि समाज के जिन सदस्यों को घर अथवा व्यापार के लिए मंत्र बॉक्स की आवश्यकता हो इसे सूचना समझ कर मंत्र बॉक्स सुश्री संगीता अग्रवाल (9999957072) से रसीद बनवा कर ले सकते हैं। गुरु जी के शब्दों में ''मंत्र बॉक्स से निकलने वाली ध्वनि से न सिर्फ मन बल्कि आत्मा को भी बल मिलता है'' उससे कलियुग की शक्तियाँ कटती हैं और देवी शक्तियों को बल मिलता है। यहां तक कि वह शब्द ब्रह्माण्ड में जाकर अमर हो जाते हैं।

खेल खेल में संस्कार रोपण कार्यशाला

दिनांक : 22 फरवरी 2015, रविवार

श्री कल्कि सहस्त्रनाम हवन : प्रात: 10 बजे

महामंत्र मुकाबला एवं कार्यशाला 11 बजे से 2 बजे तक

सुश्री रमणी अग्रवाल स्वप्नानुभव में दिखाए अनुसार संचालिकाओं एवं बालक बालिकाओं को चाणक्य की भाषा में चलना ही जीवन है के रहस्य बताएंगी-दिखाएंगी और सिखाएंगी

*** भगवान से शक्तियों का मांगना और उनका आभार प्रगट करना कि आप हमें स्वप्नानुभव द्वारा सहारा दे रहे हैं देते रहें अपनी कृपा बना रहे हैं बनाते रहें।**

स्थान : 1903, पहली मंजिल चांदनी चौक, दिल्ली-6

संचालिका: रमणी अग्रवाल-9212216251, शलभ गोयल-9810066506

कल्कि साहित्य समाप्ति के कगार पर

बन पड़े तो अपने शुभ के रुपयों में से सहयोग साहित्य प्रभारियों के पास भेजें

मेघना गोयल-916377829

पूजा गुप्त-9811858723

सुषमा गोयल-9899698240

रेनू बंसल-9818000004

रश्मि गुप्त-9711108050

मामाजी-9136377829

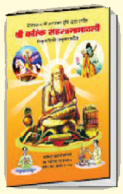

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं ?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं, श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

1 फरवरी 2015 का सुखद संयोग

कल्कि सहस्त्रनाम हवन
यमुना घाट नं. 10
प्रातः 7 से 9 बजे तक

कल्कि बाल वाटिका कार्यशाला
सम्भल, चामुंडा मंदिर
प्रातः11 बजे से

कल्कि सहस्त्रनाम हवन
यमुना घाट नं. 3
प्रातः 11 से 1 बजे तक

कल्कि मूर्ति स्थापना
मयूर विहार,गऊशाला
प्रातः11 बजे से

कल्कि संकीर्तन महोत्सव
श्री कल्कि विष्णु मंदिर
कुंडे वालान दिल्ली-6
प्रातः10 बजे से सायं 5 बजे तक

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 7 फरवरी एवं 7 मार्च 2015
स्थान : मामाजी बी-2, बहादुर अपार्टमन्ट, सिविल लाईन्स, नई दिल्ली
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री कल्कि बाल वाटिकाः- (मामाजी)
बन पड़े तो सही आइ. सी. यू. उपचार एवं अनुभव का अर्थ जानने के लिए अपने अनुभव लिखकर डुप्लीकेट अथवा फोटो कॉपी कराकर लाएं

दिनांक : शनिवार 21 फरवरी एवं 14 मार्च 2015
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (9136377829)

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं :
*** चादनी चौक * दिल्ली विश्वविद्यालय * नोएडा * पंजाबी बाग * पटपड़गंज * गगन विहार * यमुना विहार * महावीर नगर * ग्रीन पार्क * रोहिणी * सब्जी मंडी, घंटाघर * सम्भल * कोलकाता * असरोही**

कल्कि जी की अखंड जोत

अपने घर व व्यापार की वैभवता के लिए श्री कल्कि विष्णु मंदिर में अखंड जोत में घी अथवा रुपए सामर्थ्य के अनुसार देने हेतु संपर्क करें : श्री राहुल अग्रवाल (9891879718)

आगामी महीनों में भगवान श्री कल्कि के महोत्सव

सम्भल में श्री कल्कि बाल वाटिका- 1 फरवरी 2015

सम्भल में कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ- 7 मार्च एवं 31 मार्च 2015

कल्कि जी का भंडारा

मात्र 500 रुपए देकर अपने अथवा अपने परिवार पर आई विपदा के लिए कल्कि विष्णु मंदिर, कुंडे वालान में अपने हाथ से फूल माला चढ़ा कर आरती करके भगवान श्री कल्कि को भोग लगाकर शाम 7 बजे प्रति बुधवार भंडारा बांटे। संपर्क : श्री योगेश गुप्ता (9311033445)

Registered with the Registrar of Newspaper for India under Licence No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL (DG)-11/8061/2015-2017
publication date 28-30 january मूल्य 10 रूपए posting date1-7 february फरवरी 2015 weight-25 grams

असंभव को संभव करने वाला संभल में होने वाला श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ 1 मार्च 2015 को

7 अप्रैल 2014 को श्री राकेश अग्रवाल को दिखा कि यमुना जी पर एक तरफ हवन और एक तरफ कीर्तन हो रहा है जमुना जी में एक नाव नजर आई जो आधी लकड़ी की है आधी जल की है।

असंभव को संभव करने वाला संभल में होने वाला श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ 4 जनवरी 2015 एवं 1 फरवरी 2015 को इन्द्रपस्थ यमुना तट पर दो कुण्डीय यज्ञ संकीर्तन, सत्संग प्रात: 8 बजे से 11:30 बजे तक लघु भंडारे के रूप में होगा।

* यमुना महारानी को मर्दाना व जनाना वस्त्र, सीधा, पानी, धूप, मौली के लिये सम्पर्क करें- श्री राजेश जी-8860666461

स्थान: सागर में नैया डगमग डोले को सहारा देने वाली यमराज की बहन यमुना महारानी के घाट न०10 पर

आपके द्वारा किया जाने वाला दो कुण्डीय श्री कल्कि सहस्त्रनाम-बगलामुखी यज्ञ-संकीर्तन-भण्डारे के फल के लिये अपने हिस्से का सहयोग (सामान अथवा नगद रूपया) यमुना तीर्थ-यज्ञ-भण्डारा आयोजन में नीचे लिखे तीन प्रभारियों में से किसी को भी एवं सम्भल गंगा तीर्थ के लिये सुश्री इंदु बंसल, श्री सुनील गुप्त (सुश्री सुषमा गोयल के भाई) अथवा मामाजी को दे सकते हैं।

यमुना तट पर श्री कल्कि सहस्त्रनाम - सत्संग - संकीर्तन प्रभारी श्री अशोक-संजू गड़ोदिया- 9312539397 श्री राकेश-सुरभि अग्रवाल-9810654193 कु० अक्षय गड़ोदिया 9910006788
विशिष्ट जानकारी अथवा संतुष्ट न होने पर मामाजी 011-23973383

*** कल्कि भक्तों ने तो हिम्मत करके जो दो कुंडीय यज्ञ यमुना जी पर किया उससे दैवीय समाज को चाल मिली और दैवीय समाज ने खुले दिल से भक्तों को ऐसा निहाल किया कि उन्हें आर्थिक, सामाजिक, व्यापारिक परेशानियों से निकलने के रास्ते भी सूझे ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुना नदी को गुजरात की साबरमती बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। गंगा की तरह यमुना की सफाई के लिए भी केन्द्र सरकार ने 25 करोड़ का बजट पास किया है।**

यमुना बनेगी साबरमती

NBT नवभारत टाइम्स

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुना नदी को गुजरात की साबरमती बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। गंगा की तरह यमुना की सफाई के लिए भी केन्द्र सरकार ने 25 करोड़ का बजट पास किया है।

सहर रेडियो चैनल पर कल्कि जी के भजन हर बुधवार और शनिवार को प्रात: 5 से 7 बजे

*** बेखबर जाग जरा दिन निकलने वाला है * भूमि का उतारो भार * श्री कृष्ण कन्हैया आ जाओ कल्कि रूप में * दुर्गा स्तुति * स्वांस में सुमिरन समा गया * कलियुग केवल नाम आधारा * आओ सुनाएं हनुमान की कथा * हे काल रूप कल्कि प्यारे * तेरा जीवन बिरथा बीत गया**

भगवान श्री कल्कि के इन दस भजनों में से दो भजन हर बार चलाए जा रहे हैं।

सुश्री पारूल गुप्त-अमित गुप्त-. 9910003910

Kalki Group (Real) has been transformed. Have a look @ www.facebook.com/shreekalki

अग्रोहा धाम हरियाणा में कल्कि म्यूजियम बनना शुरू इसमें हमें चाहिए आपकी अच्छी सोच एवं आपका विश्वास एवं सहयोग

अपने शुभ/धर्म में से जो भी सहयोग आप देंगे वह अमूल्य चिरकाल तक धर्म के मानने वालों को रास्ता देगा और उसकी रॉयल्टी आप सहयोग करने वालों को हमारे गुरु श्री हनुमान जी/ठाकुर रामकृष्णपरमहंस के शब्दों में मिलेगी—

एक दान दें आप सहस्त्रदान पाने के हकदार बनें

आप अपना सहयोग चैक अथवा कैश श्री कल्कि बाल वाटिका फांऊडेशन के नाम से भेज सकते हैं।

श्री कल्कि बाल वाटिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें— 9312533445, 9136377829 0911858723
न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो
मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी :
हर्षित गुप्त (मनु-9999885277), अंकित गड़ौदिया (9968154304)
राहुल अग्रवाल (9891879718), अलका गोयल (9811281271)

मुद्रक : ब्रह्मा प्रिंटिंग प्रेस, दिल्ली-6, आर.एस.प्रिंटर्स 40/12 गौतम नगर, नई दिल्ली-49

श्री कल्कि जयंती महोत्सव
दिनांक : 21 फरवरी 2015
कसेरू वालान, पहाड़गंज दिल्ली
समय : प्रात: 10 बजे से सायं 8 बजे तक